|  |
| --- |
| Section: English Language - Comprehension |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | **Paragraph : 1**  The average voter can never be expected to form a useful opinion on the many detailed and complex issues of modern politics and economics. He may fervently wish for peace, but he cannot judge the best methods of securing disarmament and co-operation. He may wish for the abolition of unemployment and a better standard of life for all, but can hardly hope to judge in detail how these ends may be gained. A striking example of the effective working of the right kind of public opinion is given by the history of the housing of the working-classes. One hundred years ago public opinion was indifferent; the most revolting slums were built. Gradually, under the pressure of public opinion, governments began to intervene and improve the standard of housing. Since the war, from the days of the “Homes for Heroes” campaign, public opinion has insistently demanded the abolition of the slums and the rapid building of new houses until a good house is provided for every family. Housing has become front-page news in the penny press. As a result, every government has taken action, some in one way, some in another. Public opinion has not concerned itself with the particular methods to be adopted in dealing with the housing problem. It has wisely left such matters to the government, who have the benefit of the expert advice of the Civil Service. None the less, it has been the steady pressure of the public opinion demanding that the job shall be done somehow which has been effective in greatly increasing the rate of building houses and in securing a new and better standard of working-class housing.  **Please refer paragraph 1 for the next question**   |  | | --- | |  | |  |  |  |  | | --- | --- | | Q.1 | Public pressure has been forcing the government |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | A: To build new and better standard of working-class houses | B: To stop building work altogether | C: To increase the building of low standard houses | D: To provide all facilities to slum-dwellers |  | |  |  |  |  |  |   **Please refer paragraph 1 for the next question**   |  | | --- | |  | |  |  |  |  | | --- | --- | | Q.2 | Which of the following statements is implied in the passage? |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | A: Government does not care for the welfare of the people | B: Government works only when there is a there is a threat or an epidemic | C: Only a strong public opinion forces the government to act. |  |  | |  |  |  |  |  |   **Paragraph : 2**  A man of disarming candour and unexpected wit delivered in those unmistakable Rameshwaram cadences, Kalam Saheb and his team epitomise perseverance and pride in things Indian when it is no longer the flavour of the times. His stewardship of the Integrated Guided Missile Development Programme (IGMDP) and the vision that underpins it could well define the kind of profile the nation is likely to acquire in the global comity in the next century.  **Please refer paragraph 2 for the next question**   |  | | --- | |  | |  |  |  |  | | --- | --- | | Q.3 | It is no longer the flavour of the times in this context means |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | A: A picture of the food habits of the modern people | B: A picture of the habits of the youth of modern India | C: An idea of the habits and likings of modern Indians | D: A picture of the true Indian |  | |  |  |  |  |  |   **Please refer paragraph 2 for the next question**   |  | | --- | |  | |  |  |  |  | | --- | --- | | Q.4 | The vision in this passage stands for |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | A: Kalam's stewardship | B: Target of IGMDP | C: The dream of the global comity | D: The picture of the next century |  | |  |  |  |  |  |   **Please refer paragraph 2 for the next question**   |  | | --- | |  | |  |  |  |  | | --- | --- | | Q.5 | The passage reveals that perseverance |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | A: Has always been in Indian character | B: Was a trait of Indian character earlier | C: Is a trait of Indian character now | D: Has never been a trait of Indian Character |  | |  |  |  |  |  | | |